आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 186 | उज्जैन, गुरूवार 29 मई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

पूरा देश मना रहा है देवी अहिल्याबाई का 300वां जन्म जयंती वर्ष - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने कहा - दोनों का जीवन संघर्षों से भरा रहा, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं है। राष्ट्र का हित सर्वोपरि है। भारत देश में महिलाएं तब भी सशक्त थीं, जब उन्हें कम अधिकार थे और आज भी उतनी ही सशक्त हैं, जब उन्हें सर्वाधिकार प्राप्त हैं। महारानी दुर्गावती और देवी अहिल्याबाई ने अपने साहस, शौर्य, पराक्रम और कौशल से न केवल शासन किया अपितु प्रशासन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में एक आदर्श प्रस्तुत किया। दोनों का जीवन आसान नहीं था, इनके जीवन में नाना प्रकार के संघर्ष थे, अवरोध थे, कठिनाईयां थीं, दुश्वारियां थीं, फिर भी इन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सारी

कठिनाईयों से लड़कर और जूझकर उन्होंने अपना मुकाम हासिल किया। यही वजह है कि आज हम इन्हें उनके पराक्रम के लिए जानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर रहे थे।

सीएम की पाठ्शाला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉलेज के फैशन टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट की छात्राओं से उनके क्लासरूम में सीएम की पाठशाला लगाई और सभी बेटियों से गुरूतुल्य व पितातुल्य संवाद किया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को मध्यप्रदेश की महारानी दुर्गावती और लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सम्पूर्ण जीवन वृतांत पर रोचकतापूर्वक प्रकाश डालकर छात्राओं का ज्ञान संवर्धन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के आल्हाद में सहभागी बनकर उनके साथ सेल्फी भी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अकबर की सेना के साथ लड़ाई की और अंततः खुद को न्यौछावर कर दिया। मुख्यमंत्री ने छात्राओं को बताया कि महारानी दुर्गावती ने जबलपुर में आधारताल, मदन महल बनाया। ऐसी जल संरचनाएं बनवाई कि एक तालाब भरने के बाद अगला तालाब, उसके बाद उसके अगले तालाब में जल संरक्षण होता रहा। इससे प्रजा को जल संचयन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि तकनीक के मामले में तब के शासक भी अग्रणी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं की रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा विस्तार से बताते हुए कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि वे मध्यप्रदेश की महारानी थीं।

भारत ड्रोन उत्पादन बढ़ाने के लिए तीन गुना करेगा निवेश, पाकिस्तान इस काम के लिए चीन और तुर्किए पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हालिया संघर्ष में बड़े पैमाने पर ड्रोन के इस्तेमाल के बाद भारत और पाकिस्तान दोनों ड्रोन हथियारों की रेस में शामिल हो गए हैं। पाकिस्तान जहां इसके लिए चीन और तुर्किए पर निर्भर है, वहीं भारत ने इसके लिए घरेलू उद्योग में निवेश करने का फैसला किया है।

घरेलू स्तर पर ड्रोन उत्पादन बढ़ेगा - भारत अगले एक से दो वर्ष में घरेलू स्तर पर ड्रोन उत्पादन बढ़ाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर से पहले की तुलना में लगभग तीन गुना यानी लगभग चार हजार करोड़ रुपये (47 करोड़ डॉलर) का निवेश कर सकता है।

रॉयटर ने इस संबंध में दोनों देशों में सुरक्षा अधिकारियों, उद्योग के कार्यकारी अधिकारियों और विश्लेषकों समेत 15 लोगों का साक्षात्कार किया। उनमें से दो ने कहा कि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसियों ने ड्रोन का अधिक उपयोग किया क्योंकि छोटे पैमाने पर ड्रोन हमले सैनिकों को जोखिम में डाले बिना या अनियंत्रित तनाव को भड़काए बिना लक्ष्य को निशाना बना सकते हैं।

भारत में 550 से अधिक कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले ड्रोन फेडरेशन इंडिया के स्मित शाह ने कहा कि भारत अगले 12 से 24 महीनों में ड्रोन पर 47 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च कर सकता है।

क्या कर्नाटक से हटकर आंध्र प्रदेश चला जाएगा HAL का प्रोडक्शन यूनिट? चंद्रबाबू नायडू और रक्षा मंत्री की हुई मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने हिन्दुस्तान एअरोनॉटिक्स लिमिटेड की प्रोडक्शन यूनिट को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करने की किसी भी संभावित रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक की थी, जिसके बाद ऐसे कयास लगाए जा रहे थे।

चंद्रबाबू नायडू ने रक्षा मंत्री के साथ हुई बैठक और केंद्र सरकार के साथ हुई बैठकों में आंध्र प्रदेश में एक नई ग्रीनफील्ड HAL सुविधा स्थापित करने की मांग की थी। उन्होंने प्रस्ताव पेश कर कथित तौर पर लाइट कॉम्बैट एअरक्राफ्ट तेजस और अन्य स्वदेशी प्लेटफॉर्मों के लिए भविष्य की विनिर्माण क्षमता को शामिल करने की बात की थी।

बैठक में क्या प्रस्ताव पेश किया गया- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय ने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी भी मौजूदा सुविधा को स्थानांतरित करने की बात नहीं कही है।

मोदी सरकार ने किसानों को दी खुशखबरी, आंध्र प्रदेश में फोरलेन हाईवे का भी एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने अपनी कैबिनेट बैठक में 5 बड़े फैसले लिए हैं। इसमें खरीफ की फसलों पर एमएसपी बढ़ाने से लेकर आंध्र प्रदेश में फोरलेन हाईवे के निर्माण को मंजूरी और किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए कम ब्याज पर ऋण की योजना को मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार ने खरीफ की फसलों पर लागत से 50 फीसदी अधिकर एमएसपी को मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने बीते 10 साल में लगातार एमएसपी में बढ़ोतरी की है और हालिया फैसले से 7 करोड़ से अधिक किसानों को फायदा होगा।

खरीफ की फसलों पर एमएसपी- अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने खरीफ की फसलों पर एमएसपी को मंजूरी दी है। इसके लिए सरकार ने 2,07,000 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। सरकार ने 14 खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को मंजूरी दी है। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने ये सुनिश्चित किया है कि किसानों को उनकी लागत के ऊपर न्यूनतम 50त्न मार्जिन मिले। इसके अलावा कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश में बडवेल-गोपावरम गांव (एनएच-67) से गुरुविंदपुडी (एनएच-16) तक फोरलेन बडवेल-नेल्लोर राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। इस फोरलेन की लंबाई 108.134 किलोमीटर होगी और इसके निर्माण में 3653.10 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

मणिपुर में उग्रवादियों को हथियार मुहैया कराते थे मिजोरम के तीन तस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआइए ने मिजोरम में उग्रवादियों को अवैध हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों की आपूर्ति और तस्करी के मामले में तीन और आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

तीनों आरोपित मिजोरम के रहने वाले- उन्होंने बताया कि तीनों की पहचान मिजोरम के रहने वाले वनलालदैलोवा, लालमुआनपुइया और लालरिनचुंगा उर्फ अल्बर्ट के रूप में हुई है। उनके आवासों पर तलाशी के दौरान हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जब्त करने के बाद उन्हें छह दिसंबर, 2024 को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने दावा किया कि जांच से पता चला कि तीनों ने उग्रवादी समूहों को हथियार मुहैया करा कर मणिपुर में जातीय हिंसा को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई थी।

आरोपितों ने इसके लिए धन जुटाया और इस धनराशि का इस्तेमाल उग्रवादी गतिविधियों और हथियार खरीदने के लिए किया, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था और राष्ट्रीय अखंडता को खतरा पैदा हो। अवैध रूप से हथियार खरीदने और आपूर्ति करने की साजिश रची थी- एनआइए के एक बयान में कहा गया है कि लाइसेंसी हथियार विक्रेता वनलालदैलोवा ने मिजोरम के दो अन्य सह आरोपितों लालंगईहावमा और लालमुआनावमा के साथ मिलकर उग्रवादी गतिविधियों में इस्तेमाल के लिए सीमा पार और मणिपुर में अवैध रूप से हथियार खरीदने और आपूर्ति करने की साजिश रची थी।

रत्न के मंदिर में RSS के गीत गाए जाने पर मचा बवाल, टीडीबी ने भंग की समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के त्रावणकोर क्षेत्र में मंदिरों के शीर्ष निकाय त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने हाल ही में आयोजित एक संगीत समारोह के दौरान आरएसएस के गण गीतम (प्रार्थना गीत) के गायन के बाद एक मंदिर की सलाहकार समिति को भंग कर दिया। यह कार्रवाई कोल्लम में कोट्टुक्कल मंजिपुझा मंदिर की सलाहकार समिति के खिलाफ की गई, जिसका प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है। मंगलवार को जारी बोर्ड के बयान में कहा गया कि यह फैसला मंदिर परिसर में गण गीतम के गायन और राजनीतिक और सांप्रदायिक संगठनों के झंडे लगाने की जांच के बाद लिया गया।

29 मई से चार राज्यों के दौरे पर PM Modi, 70 हजार करोड़ की परियोजनाओं का देंगे तोहफा; इस राज्य से होगी यात्रा की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 और 30 मई को चार राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इस दौरान 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक लागत की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। 29 मई को पीएम मोदी सिक्किम से अपनी यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं।

सिक्किम से होगी यात्रा की शुरुआत- प्रधानमंत्री 29 मई को सिक्किम का दौरा करेंगे जहां वे सुबह करीब 11 बजे 'सिक्किमञ्च50 जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है' कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे सिक्किम में कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी करेंगे और इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल का दौरा करेंगे जहां वे अलीपुरद्वार में दोपहर करीब 2:15 बजे अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री बिहार का भी दौरा करेंगे और शाम लगभग 5:45 बजे पटना हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे।

बिहार के काराकाट में 30 मई को सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री 48,520 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। वह एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे जहां वे दोपहर करीब 2:45 बजे कानपुर नगर में करीब 20,900 करोड़ रुपए की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। वे एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

सिक्किम में प्रधानमंत्री- राज्य के गौरवशाली 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री 'सिक्किमञ्च50ः जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को बढ़ावा देती है' कार्यक्रम में भाग लेंगे। राज्य सरकार ने सिक्किम की सांस्कृतिक समृद्धि, परंपरा और प्राकृतिक वैभव का उत्सव मनाने के लिए सुनौलो, समृद्ध एवं समर्थ सिक्किम थीम के अंतर्गत साल भर चलने वाले कई कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

सऊदी अरब में दिख गया चांद, हज यात्रा की तारीख का हुआ एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में कल बकरीद का चांद देखा गया है। ये इस्लाम में दूसरा सबसे खास और पाक महीना है। इस बीच सऊदी अरब की तरफ से हज तीर्थयात्रा को लेकर एलान किया गया है। मक्का में वार्षिक मुस्लिम हज तीर्थयात्रा 4 जून से शुरू होगी।

सऊदी अरब ने एलान किया है कि मक्का में वार्षिक मुस्लिम हज तीर्थयात्रा 4 जून से शुरू होगी। सऊदी की स्पेस ऑब्जर्वेटरी ने चांद देखे जाने के बारे में बताया है। उसके बाद हज यात्रा की तारीख का एलान हुआ। आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी की तरफ से जारी एक बयान में सुप्रीम कोर्ट ने डेट का एलान किया है। वैसे दुनिया भर में बकरीद जुल-हिज्जा की 10 तारीख को मनाया जाता है।

10 लाख तीर्थयात्री आए देश - एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, सऊदी अरब के हज मंत्री तौफीक अल-रबिया ने कहा कि दुनिया भर से लगभग दस लाख तीर्थयात्री पहले ही देश में आ चुके हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल 1.8 मिलियन मुसलमानों ने हज में हिस्सा लिया था।

कैसे तय होती हज यात्रा की तारीख- हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है और सभी मुसलमानों को कम से कम एक बार हज करना चाहिए। तीर्थयात्रा की तारीख इस्लामी चंद्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती है, जिसका अर्थ है कि यह हर साल बदलती रहती है। हाल के सालों में यह सऊदी अरब के भीषण गर्मी के महीनों में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, 2024 में तापमान 51.8 सेल्सियस तक पहुंच गया और जून की धूप में 1,300 से अधिक लोग मारे गए।

चार दिन चलता समारोह- श्रद्धालु इस दौरान चार दिनों तक चलने वाले समारोहों में भाग लेते हैं, जिसका सबसे महत्वपूर्ण दिन दूसरे दिन माउंट अराफात पर सामूहिक प्रार्थना के साथ आता है, यह वह पहाड़ी है जहां माना जाता है कि पैगंबर मोहम्मद ने अपना अंतिम उपदेश दिया था। सऊदी प्रेस एजेंसी ने कहा कि इस साल यह आयोजन 5 जून को होगा, जबकि ईद अल-अजहा अगले दिन होगी।

वो मेरे पति हैं, ड्राइवर नहीं..., लोगों के कमेंट से भड़की विदेशी महिला; सोशल मीडिया पर दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक पोलिश महिला गैब्रिएला से जुड़ा एक अद्भुत मामला सामने आया है। पोलिश कंटेंट क्रिएटर ने एक भारतीय लड़के से शादी की। इसके बाद लोगों ने उनके पति को लेकर कुछ कमेंट बाजी की। अब विदेशी महिला ने भारत के लोगों के रवैए पर सवाल खड़े किए हैं। इससे पहले बता दें गैब्रिएला ने भारत में रहने वाले हार्दिक वर्मा से शादी की है।

अब इंस्टाग्राम पर गैब्रिएला ने इस बात पर निराशा जताई है कि कैसे लोग अक्सर उनके पति को उनके टूर गाइड या ड्राइवर समझ लेते हैं। उन्होंने कहा, जब भी हम भारत में किसी नई जगह पर आते हैं, तो वह सबसे अजीब पल होता है। दुख की बात है कि अब यह कोई नई घटना नहीं रह गई है।

मैं टूर गाइड के साथ फोटो क्यों खिचवाऊंगी- लगभग हर दूसरा दुकानदार या ऑटो/टैक्सी ड्राइवर यह मान लेता है कि हार्दिक मेरे टूर गाइड हैं - और कभी-कभी तो मेरे ड्राइवर भी। आखिर ऐसा क्यों है? लोगों की इस धारणा पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, कौन सी लड़की अपने टूर गाइड के साथ हाथ पकड़कर घूमती है और हजारों तस्वीरें लेती है? लोगों ने किए ऐसे कमेंट- गैब्रिएला ने अपने पति के साथ एक लिप-सिंक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें लोगों की सोच को उन्होंने असभ्य बताया। उन्होंने लोगों से कहा कि वो इंटर रिलिजन और इंटर नेशनल कपल्स को लेकर अपनी पुरानी सोच को बदलें।

यह पोस्ट जल्द ही वायरल हो गई,कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उनके संदेश का समर्थन किया और अनुभव शेयर किए। एक यूजर ने कमेंट किया, शायद आपको एक बड़े एलान के साथ भारत में फिर से शादी करनी चाहिए।

आग से मत खेलो, डोनाल्ड ट्रंप के बयान से भड़का रूस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच किसी भी हालत में सीजफायर कराना चाहते हैं, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसके लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में ट्रंप पुतिन से खफा हैं।

ऐसे में ट्रंप ने पुतिन से दो टूक कह दिया था कि हमारी बात नहीं मानकर वे आग से खेल रहे हैं। लेकिन अब रूस ने ट्रंप की इस धमकी का करारा जवाब दिया है और तीसरे विश्वयुद्ध की धमकी तक दे डाली है।

तीसरे विश्वयुद्ध की धमकी - रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयर दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि ट्रंप ने पुतिन के बारे में कहा है कि वे आग से खेल रहे हैं और रूस के साथ वह कुछ बुरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ÷मैं एक ही बुरी चीज जानता हूं और वो है तीसरा विश्वयुद्ध। उम्मीद है कि ट्रंप इसे समझते हैं।

जिस तरह से ट्रंप द्वारा आग से खेलने वाला बयान दिया गया और फिर रूस की तरफ से प्रतिक्रिया आई है, इससे यह साफ हो गया है कि दोनों देशों के बीच सबकुछ सामान्य नहीं है।

क्या था ट्रंप का बयान- इससे पहले भी ट्रंप ने पुतिन पर भड़कते हुए कहा था, पुतिन को समझना चाहिए कि अगर मैं नहीं होता तो रूस के साथ अब तक बहुत बुरी चीज हो चुकी होती।

अमेरिका में 30 साल बाद जेल से भागा पूर्व पुलिसकर्मी, जनता के लिए खतरा! जांच में जुटे अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेल से जुड़े एक आरोपी का अद्भुत मामला सामने आया है। दरअसल 30 साल से एक पूर्व पुलिस प्रमुख अर्कांसस जेल से भाग गया है। बताया जा रहा है अस्थायी कानून प्रवर्तन वर्दी पहने, ग्रांट हार्डिन दोपहर को जेल से भागा और अब जनता के लिए खतरा बन गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, हार्डिन ने 2016 में गेटवे, अर्कांसस में लगभग चार महीने तक पुलिस प्रमुख के रूप में काम किया, जो मिसौरी सीमा के पास एक छोटा सा शहर है।

क्या है पूरा मामला- अधिकारियों के अनुसार, रविवार को लगभग 3ः40 पर हार्डिन कैलिको रॉक स्थित नॉर्थ सेंट्रल यूनिट जेल से भाग गया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, जेल गार्ड की तरफ से प्रतिबंधित गेट खोलने के बाद वह सुविधा से बाहर निकलने में सफल रहा।

रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अधिकारियों ने हार्डिन के जाने के 15 से 20 मिनट बाद नियमित जांच के दौरान उसे गायब पाया। अर्कांसस सुधार विभाग ने कहा कि घटनाओं की जांच चल रही है।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने पलटा मौत की सजा का फैसला, जमात नेता बरी; 1971 से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने जमात-ए-इस्लामी के नेता अजहरुल इस्लाम को 1971 के मुक्ति संग्राम से संबंधित युद्ध अपराध मामले में मंगलवार को बरी कर दिया।

किस मामले में मिली थी सजा- शीर्ष कोर्ट ने इस मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा अजहरुल को सुनाई गई मौत की सजा को भी रद कर दिया। प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के विधि सलाहकार आसिफ नजरूल ने इस फैसले का स्वागत किया है।

सरकारी वकील ने बताया कि अजहरुल को बरी करने का फैसला प्रधान न्यायाधीश सैयद रिफात अहमद की अध्यक्षता में पूर्ण सात सदस्यीय पीठ ने लिया। अदालत ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि अजहरुल को अन्य मामलों में गिरफ्तार नहीं किया गया है, तो उसे तुरंत जेल से रिहा किया जाए।

क्या-क्या लगे थे आरोप- जमात नेता 73 वर्षीय अजहरुल को 1971 युद्ध के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उसे आइसीटी ने नरसंहार, हत्या और दुष्कर्म सहित कई आरोपों के लिए फांसी की सजा सुनाई थी।

2009 में बांग्लादेश ने 1971 में युद्ध के दौरान पाकिस्तान सेना का सहयोग करने वाले लोगों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोपों पर कानूनी प्रक्रिया शुरू की थी। जांच और सुनवाई के बाद शीर्ष जमात-ए-इस्लामी नेताओं और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक वरिष्ठ नेता को फांसी दी गई थी।

7 फीट की दुल्हन तो 5 फीट का दूल्हा, बनने वाले हैं मां-पापा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बचपन से सुनते आए हैं कि जोड़ियां ऊपर वाला बनाता, लेकिन निभाना इंसानों को होता है। हाल ही में चीन का एक कपल इन दिनों सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है। लोग कपल की जमकर फोटो शेयर कर रहे हैं। कपल के वायरल होने की वजह है दोनों की हाइट।

दरअसल, युवक की लंबाई 1.68 मीटर (यानि 5.5 फीट से थोड़ा ज्यादा) है, जबकि युवती 2.2 मीटर (यानि लगभग 7.23 फीट) लंबी है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैबाओ न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, जीहाओ और जियाओयू नाम का यह जोड़ा चोंगकिंग का रहने वाला है और दोनों पिछले दो साल से रोमांटिक रिलेशनशिप में हैं।

जीहाओ और जियाओयू की अनोखी प्रेम कहानी तब सुर्खियों में आई, जब जियाओयू ने मई के पहले हफ्ते में इंटरनेट मीडिया पर यह कहकर लोगों को चौंका दिया कि वह गर्भवती हैं।

जीहाओ ने बताया कि जियाओयू से उनकी मुलाकात तीन साल पहले एक लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान हुई थी। तब उन्होंने एक प्यारा-सा कमेंट किया था, जिसके बाद दोनों एक-दूसरे से चैट करने लगे और कब ये दोस्ती प्यार में बदल गई उन्हें भी पता नहीं चला।

शराब पीने और टेबल पर नाचने को कहा गया, ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा का बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से एक मुस्लिम महिला सांसद ने एक चौंकाना वाला दावा किया है। ऑस्ट्रेलिया की एक मुस्लिम महिला सांसद ने खुलासा किया कि उन्होंने संसद से जुड़ी निगरानी संस्था में शिकायत दर्ज करवाई है। मुस्लिम महिला सांसद ने कहा, उनके एक पुरुष सहकर्मी ने उनसे शराब पीने और टेबल पर नाचने का आग्रह किया।

30 साल की सीनेटर फातिमा पेमैन ने चैनल से कहा, उन्होंने मुझसे शराब पीने के लिए जिद की और कहा चलो तुम्हें टेबल पर नाचते हुए देखते हैं।

मुस्लिम महिला सांसद ने दर्ज कराई शिकायत- इसके बाद उन्होंने कहा- मैं एक सीमा खींच रही हूं दोस्त और औपचारिक शिकायत दर्ज करने चली गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अफगानिस्तान में जन्मी पेमैन ऑस्ट्रेलिया की संसद के अंदर हिजाब पहनने वाली पहली सीनेटर हैं।

स्वतंत्र सीनेटर पेमैन ने 2024 में वामपंथी लेबर सरकार से अलग होने का आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने उस पर गाजा में फलस्तीनियों की मदद करने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

2021 में भी लगाया था आरोप- इससे पहले पूर्व राजनीतिक कर्मचारी ब्रिटनी हिगिंस ने 2021 में आरोप लगाया कि संसदीय कार्यालय के अंदर उनके एक सहकर्मी ने उनके साथ दुष्कर्म किया, जिसके बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

असम में 15 महीने में 171 एनकाउंटर, सुप्रीम कोर्ट में पहुंची याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष अदालत ने एक मामले की सुनवाई करते हुए असम मानवाधिकार आयोग को मई 2021 से अगस्त 2022 के बीच राज्य में हुए पुलिस एनकाउंटर की स्वतंत्र जांच का आदेश दिया है। कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर इस दौरान हुए 171 से अधिक पुलिस एनकाउंटरों की स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी।

याचिका में कहा गया था कि असम पुलिस ने इस दौरान बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए फर्जी एनकाउंटर किए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि कुछ मामलों को छोड़कर सभी मामलों में ऐसा नहीं कहा जा सकता कि गाइडलाइंस का उल्लंघन हुआ हो।

पीड़ितों का दावा सुनने का निर्देश- पीठ ने ये भी कहा कि याचिकाकर्ता आरिफ मोहम्मद यासीन द्वारा मुठभेड़ों की जांच पर 2014 में अदालत द्वारा निर्धारित प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों का कथित रूप से पालन न करने के कई मामलों में से अधिकांश तथ्यात्मक रूप से गलत प्रतीत होते हैं।

अदालत ने कहा कि हम इस मामले को स्वतंत्र रूप से मानवाधिकार आयोग को सौंप रहे हैं। पीठ ने हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाले आयोग को पीड़ितों के क्लेम सुनने के लिए पब्लिक नोटिस जारी करने और उसकी गोपनीयता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने असर सरकार में जांच में सहयोग करने और इस दौरान आने वाले किसी भी इंस्टीट्यूशनल बैरियर को दूर करने का आदेश दिया है। साथ ही आयोग शिकायतकर्ताओं की गोपनीयता की रक्षा करने और मामले को संवेदनशीलता के साथ देखने को कहा।

भारी बारिश से केरल समेत कई राज्यों में जनजीवन अस्त-व्यस्त, महाराष्ट्र में छह की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारी मानसूनी बारिश से कई राज्यों में जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक ओर जहां फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है वहीं इससे लोगों की मौतें भी हुई हैं। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में मंगलवार को भारी बारिश के बीच पांच लोगों की मौत हो गई। चार की डूबने से जबकि एक अन्य की मौत करंट लगने से हो गई।

नांदेड़ और बीड जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति- मुंबई में भी पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। बारिश ने नांदेड़ और बीड जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न कर दी है। इसके अलावा मराठवाड़ा के कुछ अन्य क्षेत्रों में भी जलभराव हो गया है। राजस्व विभाग के अधिकारी ने बताया कि नांदेड़ जिले के हडगांव तहसील में बादल फटने जैसी घटना सामने आई है। दो घंटे की भारी बारिश ने लातूर शहर में भी तबाही मचाई।

भारी बारिश से केरल में भी जनजीवन अस्त-व्यस्त- मुंबई में भारी बारिश से लगभग 70 पेड़ों के गिरने की घटनाएं दर्ज की गईं। भारी बारिश से केरल में भी जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई स्थानों पर रेल और सड़क यातायात बाधित हुआ है।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ मानसून सत्र में आ सकता है महाभियोग प्रस्ताव, सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। माना जा रहा है कि उन्हें पद से हटाने की तैयारी चल रही है।

पता चला है कि सरकार संसद के मानसून सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव ला सकती है। गत आठ मई को भारत के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा के घर नकदी मिलने के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखा था और उसके साथ ही तीन सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट भी उन्हें भेजी थी।

न्यायाधीश को संसद में महाभियोग लाकर ही हटाया जा सकता है- जस्टिस खन्ना ने आंतरिक कमेटी की रिपोर्ट पर जस्टिस यशवंत वर्मा का जवाब भी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से साझा किया था। माना जा रहा है कि जस्टिस खन्ना ने अपने पत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा को पद से हटाने की सिफारिश की थी। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीश को संसद में महाभियोग लाकर ही हटाया जा सकता है। वैसे महाभियोग की प्रक्रिया काफी जटिल है और आज तक कोई भी न्यायाधीश इस प्रक्रिया से नहीं हटाया गया है।

दिल्ली में पेड़ों की कटाई मामले में SC सख्त, DDA अधिकारी अवमानना के दोषी करार; लगाया जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के संरक्षित रिज क्षेत्र में पेड़ों की कटाई मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों को राजधानी के रिज क्षेत्र में पेड़ों की कटाई के लिए अवमानना का दोषी ठहराया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पेड़ों की कटाई मामले में ये फैसला सुनाया है।

हालांकि कोर्ट ने ये भी माना कि ये कटाई सड़क चौड़ी करने के उद्देश्य से की गई थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन.के. सिंह की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, डीडीए अधिकारियों ने क्षेत्र में पेड़ों की कटाई की अनुमति देने से पहले सुप्रीम कोर्ट की अनुमति नहीं ली है और कोर्ट की अवमानना की है, जो कि 1996 के एक फैसले के तहत आवश्यक थी।

कब का है मामला- यह मामला पिछले साल 3 फरवरी 2024 का है, जब मैदानगढ़ी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल आयुर्विज्ञान संस्थान तक सड़क चौड़ी करने के लिए रिज क्षेत्र में पेड़ काटे गए। पीठ ने पेड़ों की कटाई मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उल्लंघन और दिल्ली के एलजी और आईएएस अधिकारी सुभाशिष पांडा की तरफ से डीडीए के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में आदेशों का जानबूझकर पालन न करने का आरोप लगाने वाली अवमानना याचिका पर फैसला सुनाया है।

डीडीए अधिकारियों पर 25,000 का जुर्माना- पीठ ने कहा कि यह मामला प्रशासनिक गलत निर्णय की श्रेणी में आता है और डीडीए अधिकारियों पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने डीडीए को रिज क्षेत्र में रहने वाले अमीर व्यक्तियों पर टैक्स लगाने के लिए भी कहा, जिन्हें सड़क के चौड़ीकरण से लाभ हुआ है।

देश में कोरोना के मामले 1200 पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के मामलों में एक बार फिर से बढ़ोतरी देखी जा रही है। देश में कोविड-19 के एक्टिव केसों की संख्या 1200 से ज्यादा पहुंच चुकी है। इनमें सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। इस राज्य में कोरोना के 430 मामले सामने आ चुके हैं। महाराष्ट्र में 208 लोग कोरोना पॉजिटिव हैं।

दिल्ली और कर्नाटक में भी कोरोना के 100 से ज्यादा केस सामने आ चुके हैं। बात करें पिछले 24 घंटों की तो बिहार में 6 कोरोना के केस सामने आए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में भी एक शख्स कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। कोरोना के बढ़ते मामले की सबसे बड़ी वजह JN.1 Variant है। यह ओमिक्रॉन का ही सब-वेरिएंट है। पंजाब के चंडीगढ़ में कोविड-19 संक्रमण से पहली मौत का मामला सामने आया है। सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच-32) में भर्ती लुधियाना निवासी 40 वर्षीय व्यक्ति ने दम तोड़ दिया।

मरीज को चार दिन पहले सांस लेने में परेशानी के चलते अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने जब कोविड टेस्टिंग की तो वो पॉजीटिव पाए गए। इसके बाद उन्हें अस्पताल में एडमिट किया गया था।

JN.1 ओमिक्रॉन के BA.2.86 का एक स्ट्रेन है। इस पिरोला भी कहा जाता है। इसमें करीब 30 म्यूटेशन्स है, जो इम्यूनिटी को कमजोर करते हैं। कोरोना के बढ़ते नए मामलों पर AIIMS के पूर्व डॉयरेक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा, कोरोना वायरस का नया वेरिएंट जेएन.1 सारी दुनिया में सबसे ज्यादा है। इस वेरिएंट में कुछ म्यूटेशन है, जिस वजह से ये ज्यादा इंफेक्शन करता है।

उन्होंने कहा कि ओमिक्रॉन की वजह से ज्यादा लोगों को इन्फेक्शन हुआ था। हमारे शरीर में इम्यूनिटी है, लेकिन वेरिएंट खुद में बदलाव करते हैं। इस वजह से इन्फेक्शन बीच-बीच में बढ़ जाता है।

आपको जानकारी नहीं है, कन्नड़ भाषा पर कमल हासन के बयान को लेकर सिद्दरमैया का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने एक्टर कमल हासन के कन्नड़ पर दिए विवादित बयान पर टिप्पणी की है। दरअसल चेन्नई में एक फिल्म के प्रमोशन कार्यक्रम में एक्टर ने दावा किया था कि कन्नड़ की उत्पत्ति तमिल से हुई है। उनके इस बयान पर सिद्दरमैया ने प्रतिक्रिया दी है।

सिद्दरमैया ने कहा- कन्नड़ का इतिहास बहुत पुराना है। बेचारे कमल हासन को इसकी जानकारी ही नहीं है। सिद्दरमैया ने मक्कल निधि मैयम के संस्थापक पर पलटवार करते हुए ये बात कही है।

वहीं, सोशल मीडिया पर अभिनेता कमल हासन की नई फिल्म ठग लाइफ पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की गई है।

क्या था कमल हासन का बयान- कमल हसन ने चेन्नई में अपनी फिल्म हज के प्रमोशन के दौरान सबसे पहले कहा था, मेरा जीवन और मेरा परिवार तमिल भाषा है। इसके बाद उन्होंने कन्नड़ स्टार शिवराजकुमार पर इशारा करते हुए कहा, ये भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं, क्योंकि आपकी भाषा हमारी भाषा (तमिल) से पैदा हुई है। आपकी भाषा तमिल से ही पैदा हुई है। उनके इस बयान पर कर्नाटक में विवाद शुरू हो गया।

आपने कन्नड़ भाषा का अपमान किया

कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने उनकी इस टिप्पणी पर कमेंट किया। उन्होंने कहा, अहंकार की हदें पार हो गई है, उन्होंने कन्नड़ सहित कई भारतीय भाषाओं में अभिनय करने वाले एक्टर ने तमिल भाषा के महिमामंडन में अभिनेता शिवराजकुमार को शामिल करके कन्नड़ का अपमान किया है।

येदियुरप्पा ने आगे कहा कि हासन कन्नड़ लोगों की उदारता को भूल गए हैं और कन्नड़ फिल्मों में एक्टिंग करने के बावजूद ऐसी बातें कर रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे ये भी कहा कि वो इतिहासकार नहीं हैं जो यह निष्कर्ष निकाल सकें कि किस भाषा ने किस भाषा को जन्म दिया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वतीया

संपादकीय

कोरोना कहर के बाद हम दुनियाँ के करीब-करीब हर देश की अर्थव्यवस्था में स्थिरता नहीं देख पा रहे हैं....

वैश्विक स्तरपर कोरोना कहर के बाद हम दुनियाँ के करीब-करीब हर देश की अर्थव्यवस्था में स्थिरता नहीं देख पा रहे हैं, अमेरिका में बैंक ऋण वाले मामले से लेकर इंग्लैंड व श्रीलंका से लेकर पाकिस्तान तक में किसी न किसी रूप में हम अर्थव्यवस्था लेवल पर क्राइसेस देखे हैं ऊपर से वैश्विक आर्थिक मंदी की बात भी मीडिया के अनेक प्लेटफॉर्म्स पर चली थी, परंतु एक बात पूरी दुनियाँ ने रेखांकित की है कि, भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर ही नहीं बल्कि आगे बढ़ती गई और ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बना था। आज हम इस विषय पर इसलिए चर्चा कर रहे हैं क्योंकि फिर एक बार भारत ने आर्थिक स्तरपर बड़ी लम्बी छलांग लगाई है, जापान को पछाड़ते हुए दुनियाँ की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। यानें 4 ट्रिलियन डॉलर से बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है, यह बात अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) 2025 में कही गई है,जो अभी हाल ही में जारी की गई है यानें भारत अपने पीएम के स्वप्न 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था अभी बस एक कदम पीछे है, मुझे पूरी उम्मीद है करीब एक-दो वर्षों में ही हम यह लक्ष्य हासिल कर लेंगे, फिर हम 10 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य और विज़न 2047 के लिए तेजी से कार्य करेंगे, जिसका लक्ष्य 25 मई 2025 को एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रीयों व उप मुख्यमंत्रीयों की बैठक में माननीय पीएम महोदय ने मार्गदर्शन दिए हैं।इसके पूर्व 24 मई 2025 को नीति आयोग की 10वीं गवेर्निंग काउंसिल की बैठक में भी यह मंत्र दे चुके हैं। क्योंकि दुनियाँ की अर्थव्यवस्था जब धीमी गति से चल रही है, तो भारत सेवा, मैन्युफैक्चरिंग इंफ्रास्ट्रक्चर व मेडिकल क्षेत्रों में विशेष भूमिका निभा रहा है तथा वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा, निवेशकों की नजरें व विश्वास दोनों बढ़ाते हैं।चूँकि यह ग्रोथ तात्कालिक नहीं बल्कि टिकाऊ है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत की बढ़ी आर्थिक छलांग, ब्रटेन को पछाड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना, भारत अभी 4 ट्रिलियन बना अगला लक्ष्य 5 ट्रिलियन फिर 10 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी दूर नहीं!

साथियों बात अगर हम भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की करें तो, भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक और बड़ी छलांग लगाते हुए जापान को पीछे छोड़ दिया है। भारत अब दुनियाँ की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।यह जानकारी आईएमफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट (अप्रैल 2025) में दी गई है। नीति आयोग के सीईओ ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि भारत की जीडीपी अब 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है,और ये कोई हमारा अनुमान नहीं, बल्कि आईएमफ के आंकड़े हैं।उन्होंने यह भी कहा कि अगर देश की नीतियां इसी तरह बनी रहीं तो आने वाले 2 से 3 सालों में भारत जर्मनी को भी पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।2023 के आंकड़ों के अनुसार टॉप 10 अर्थव्यवस्थाओं की लिस्ट (जीडीपी के आधार पर)= (1)अमेरिका--27.72 ट्रिलियन (2) चीन--17.79 ट्रिलियन (3) जर्मनी--4.52 ट्रिलियन (4) जापान--4.20 ट्रिलियन (5) भारत--3.56 ट्रिलियन (6) ब्रिटेन--3.38 ट्रिलियन (7) फ्रांस--3.05 ट्रिलियन (8) इटली--2.30 ट्रिलियन (9) ब्राज़ील-- 2.17 ट्रिलियन (10) कनाडा--2.14 ट्रिलियन,2025 -26 में भारत की जीडीपी 4.287 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नई रिपोर्ट के अनुसार 2025-26 में भारत की जीडीपी 4.287 ट्रिलियन तक पहुंचने का अनुमान है।

चौधरी चरण सिंह

चौधरी चरण सिंह भारत के पाँचवें प्रधानमंत्री थे। चरण सिंह किसानों की आवाज़ बुलन्द करने वाले प्रखर नेता माने जाते थे। चौधरी चरण सिंह का प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 तक रहा। यह समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस (ओ) के सहयोग से देश के प्रधानमंत्री बने। इन्हें काँग्रेस इं और सी. पी. आई. ने बाहर से समर्थन दिया, लेकिन वे इनकी सरकार में सम्मिलित नहीं हुए। इसके अतिरिक्त चौधरी चरण सिंह भारत के गृहमंत्री (कार्यकाल- 24 मार्च 1977 ङ्क 1 जुलाई 1978), उपप्रधानमंत्री (कार्यकाल- 24 मार्च 1977 ङ्क 28 जुलाई 1979) और दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। वर्ष 2024 में भारत सरकार ने चौधरी चरण सिंह को (मरणोपरांत) भारत रत्न से सम्मानित किया।

आरम्भिक जीवन

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर, 1902 को उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले के नूरपुर ग्राम में एक मध्यम वर्गीय कृषक परिवार में हुआ था। इनका परिवार जाट पृष्ठभूमि वाला था। इनके पुरखे महाराजा नाहर सिंह ने 1887 की प्रथम क्रान्ति में विशेष योगदान दिया था। महाराजा नाहर सिंह वल्लभगढ़ के निवासी थे, जो कि वर्तमान में हरियाणा में आता है। महाराजा नाहर सिंह को दिल्ली के चाँदनी चौक में ब्रिटिश हुकूमत ने फ़ाँसी पर चढ़ा दिया था। तब अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ क्रान्ति की ज्वाला को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए महाराजा नाहर सिंह के समर्थक और चौधरी चरण सिंह के दादा जी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर ज़िले के पूर्ववर्ती क्षेत्र में निष्क्रमण कर गए।

विद्यार्थी जीवन

चौधरी चरण सिंह को परिवार में शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हुआ था। स्वयं इनका भी शिक्षा के प्रति अतिरिक्त रुझान रहा। चौधरी चरण सिंह के पिता चौधरी मीर सिंह चाहते थे कि उनका पुत्र शिक्षित होकर देश सेवा का कार्य करे। चौधरी चरण सिंह की प्राथमिक शिक्षा नूरपुर ग्राम में ही पूर्ण हुई, जबकि मैट्रिकुलेशन के लिए इन्हें मेरठ के सरकारी उच्च विद्यालय में भेज दिया गया। 1923 में 21 वर्ष की आयु में इन्होंने विज्ञान विषय में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली। दो वर्ष के पश्चात् 1925 में चौधरी चरण सिंह ने कला स्नातकोत्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की। फिर विधि की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने गाज़ियाबाद में वक़ालत करना आरम्भ कर दिया।

विवाह

1929 में चौधरी चरण सिंह मेरठ आ गए। मेरठ आने के बाद इनकी शादी जाट परिवार की बेटी गायत्री के साथ सम्पन्न हुई। गायत्री देवी का परिवार रोहतक ज़िले के गढ़ी ग्राम में रहता था। यह वह समय था जब देश में स्वाधीनता संग्राम तीव्र गति पकड़ चुका था। चरण सिंह स्वयं को देश की पुकार से अलग नहीं रख पाए। इन्होंने वक़ालत को त्यागकर आन्दोलन में भाग लेने का मन बना लिया। उस समय कांग्रेस एक बहुत बड़ी पार्टी थी। चरण सिंह भी कांग्रेस के सदस्य बन गए। कांग्रेस में उनकी छवि एक कुशल कार्यकर्ता के रूप में स्थापित हुई। 1937 के विधानसभा चुनाव में इन्हें सफलता प्राप्त हुई और यह छत्रवाली विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए।

राजनीतिक जीवन

एक बार राजनीति से जुड़ने के बाद चौधरी चरण सिंह का इससे कभी मोहभंग नहीं हुआ। उन दिनों सुशिक्षित लोगों की कमी नहीं थी, जो देश सेवा के लिए कांग्रेस से जुड़ रहे थे। उन्होंने छत्रवाली विधानसभा सीट से 9 वर्ष (अर्थात् 1946) तक क्षेत्रीय जनता का कुशलतापूर्वक प्रतिनिधित्व किया। देश की आज़ादी के बाद वह राष्ट्रीय स्तर के नेता तो नहीं बन सके, लेकिन राज्य विधानसभा में उनका प्रभाव स्पष्ट महसूस किया जाता था। आज़ादी के बाद 1952, 1962 और 1967 में हुए चुनावों में चौधरी चरण सिंह राज्य विधानसभा के लिए पुन- चुने गए। इनकी योग्यता से पार्टी का शीर्ष नेतृत्व भी प्रभावित रहा। इसके फलस्वरूप पंडित गोविन्द वल्लभ पंत की सरकार में इन्हें पार्लियामेंटरी सेक्रेटरीशिप भी प्राप्त हुई। संसदीय सचिव की भूमिका में इन्होंने राजस्व, न्याय, सूचना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आदि विभागों के दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया। चौधरी चरण सिंह का राजनीतिक भविष्य 1951 में बनना आरम्भ हो गया था, जब इन्हें उत्तर प्रदेश में कैबिनेट मंत्री का पद प्राप्त हुआ। उन्होंने न्याय एवं सूचना विभाग सम्भाला। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। वह ज़मीन से जुड़े नेता थे और कृषि विभाग उन्हें विशिष्ट रूप से पसंद था। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे। वह कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्रालय दिया गया। वह उत्तर प्रदेश की जनता के मध्य अत्यन्त लोकप्रिय थे। इसीलिए प्रदेश सरकार में योग्यता एवं अनुभव के कारण उन्हें ऊँचा मुक़ाम हासिल हुआ।

सामाजिक कार्यकर्ता

उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना मसीहा मानने लगे थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफ़ी कार्य किए। समस्त उत्तर प्रदेश में भ्रमण करते हुए कृषकों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाक़ों में कृषि मुख्य व्यवसाय था। कृषकों में सम्मान होने के कारण इन्हें किसी भी चुनाव में हार का मुख नहीं देखना पड़ा। उस समय तक उत्तर प्रदेश की सिंचाई व्यवस्था में सुधार की बहुत काफ़ी आवश्यकता थी, इस कारण चरण सिंह कृषि के स्तर को बहुत ज़्यादा उन्नत नहीं कर पाए। फिर भी उनका समर्पण असंदिग्ध था। उनकी ईमानदाराना कोशिशों की सदैव सराहना हुई। वह लोगों के लिए एक राजनीतिज्ञ से ज़्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्हें वक्तृत्व कला में भी महारत हासिल थी। यही कारण है कि उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी। लोग उन्हें सुनने को लालयित रहते थे। फिर 1966 में सुचेता कृपलानी की सरकार में उन्हें मंत्री पद तो प्राप्त हो गया लेकिन कम महत्त्वपूर्ण विभाग मिले। 1969 में कांग्रेस का विघटन हो गया। चौधरी चरण सिंह कांग्रेस (ओ) के साथ जुड़ गए। इनकी निष्ठा कांग्रेस सिंडीकेट के प्रति रही। फिर वह कांग्रेस (ओ) के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री निर्वाचित हो गए, लेकिन बहुत समय तक मुख्यमंत्री पद पर नहीं रहे।

हदबंदी क़ानून

कांग्रेस के विभाजन का प्रभाव उत्तर प्रदेश राज्य की कांग्रेस पर भी पड़ा। केन्द्रीय स्तर का विभाजन राज्य स्तर पर भी लागू हुआ। कांग्रेसी नेता अपनी-अपनी निष्ठा के अनुसार इंदिरा कांग्रेस और सिंडीकेट कांग्रेस के साथ जुड़ गए। चूंकि चौधरी चरण सिंह इंदिरा गांधी के सहज विरोधी थे, इस कारण वह कांग्रेस (ओ) के कृपापात्र बन गए। जिस समय इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री थीं, उस समय भी उत्तर प्रदेश संसदीय सीटों के मामले में बड़ा और महत्त्वपूर्ण राज्य था। फिर यह इंदिरा गांधी का गृह प्रदेश भी था। इस कारण उन्हें यह स्वीकार नहीं था कि कांग्रेस (ओ) का कोई व्यक्ति उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री रहे। अत- श्रीमती इंदिरा गांधी ने 2 अक्टूबर, 1970 को उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया। चौधरी चरण सिंह का मुख्यमंत्रित्व जाता रहा। इससे इंदिरा गांधी के प्रति चौधरी चरण सिंह का रोष और दुर्भावना द्विगुणित हो गई। लेकिन उत्तर प्रदेश की ज़मीनी राजनीति से चरण सिंह को बेदख़ल करना सम्भव नहीं था। वह उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार के लिए अग्रणी पुरुष माने जाते थे। 1939 में कृषकों के क़र्ज मुक्ति विधेयक को पारित कराने में चरण सिंह की निर्णायक भूमिका थी। 1960 में उन्होंने भूमि हदबंदी क़ानून को लागू कराने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रधानमंत्री पद पर

1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो किंग मेकर जयप्रकाश नारायण के सहयोग से मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। इसी के बाद मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद खुलकर सामने आए।

क्यों भागे जा रहे IFCI के शेयर, 13 दिन में 74% की जबरदस्त तेजी, सरकारी कंपनी ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। पब्लिक सेक्टर की नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी IFCI के शेयरों में पिछले 3-4 दिनों से जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है. आज फिर IFCI के शेयर 14 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं. तेजी की हैट्रिक मारने के बाद यह लगातार चौथा दिन है जब आईएफसीआई के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है. इससे पहले 23, 26 और 27 मई को IFCI के शेयर क्रमशः 10, 4 और 5 प्रतिशत तक चढ़ गए थे. आज भी इस एनबीएफसी शेयरों में हायर वॉल्यूम के साथ कारोबार हो रहा है. फिलहाल, IFCI के शेयर 20 करोड़ के वॉल्यूम के साथ 70.40 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं. आज IFCI के शेयरों की कीमत पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

खास बात है कि पिछले 13 कारोबारी सेशन में, IFCI के शेयर की कीमत 9 मई 2025 को 39.19 के स्तर से 74 प्रतिशत बढ़ गई है। 31 मार्च 2025 तक, भारत सरकार के पास IFCI में 72.57 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

शेयरों में क्यों आई इतनी बड़ी तेजी- कंपनी के शेयरों में इतनी बड़ी तेजी से निवेशक हैरान हैं. उधर, आईएफसीआई ने हाल ही में एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कंपनी के शेयर की मात्रा में उतार-चढ़ाव पूरी तरह से बाजार से संचालित होता है और कंपनी का इससे कोई लेना-देना नहीं है।

15 मई, 2025 को आईएफसीआई के बोर्ड ने 31 मार्च, 2025 तक कंपनी के ऑडिट किए गए फाइनेंशियल रिजल्ट रिलीज किए थे। आईएफसीआई ने कहा कि मार्च 2025 की तिमाही में ग्रॉस एनपीए में कमी आई है और कंपनी द्वारा कोई नया लोन नहीं लेने और इस प्रकार स्टैंडर्ड लोन अकाउंट में कमी आने के कारण ग्रॉस एनपीए स्तर में कमी आ रही है।

IFCI, जिसका पूरा नाम इंडस्ट्रियल फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया है. यह सरकारी क्षेत्र का एक वित्तीय संस्थान है जो मुख्य रूप से विनिर्माण,सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों को लंबी अवधि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है. खास बात है कि यह सरकार द्वारा स्थापित पहला विकास वित्तीय संस्थान है। 1948 में सांविधिक निगम के रूप में स्थापित, आईएफसीआई इस समय बीएसई तथा एनएसई पर लिस्टेड है। आईएफसीआई अपने अधीन 6 सहायक कम्पनियों और एक सहयोगी कम्पनी का प्रबन्धन करती है।

म्यूचुअल फंड हो तो ऐसा- टेंशन के बीच बिना किसी शोर-शराबे के निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले तीन महीनों में डिफेंस सेक्टर आधारित म्यूचुअल फंडों में 60त्न तक की तेजी आई है। इस कैटेगरी में एक्टिव और निष्क्रिय दोनों तरह के करीब छह फंड हैं, जिन्होंने इसी अवधि में 57.70% का औसत रिटर्न दिया है। इस कैटेगरी की तीन योजनाओं ने 60% से अधिक रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ ने पिछले तीन महीनों में लगभग 60.49% का उच्चतम रिटर्न दिया, इसके बाद मोतीलाल ओसवाल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड ने उसी अवधि में 60.23त्न रिटर्न दिया।

ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ और आदित्य बिड़ला एसएल निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स फंड ने समान समय अवधि में क्रमशः 60.12% और 59.96% रिटर्न दिया। ग्रो निफ्टी इंडिया डिफेंस ईटीएफ एफओएफ ने इस समय अवधि में 59.45त्न रिटर्न दिया। रक्षा क्षेत्र पर आधारित एकमात्र सक्रिय फंड एचडीएफसी डिफेंस फंड ने इस अवधि में 45.93% रिटर्न दिया। एनालिस्ट इस उछाल का श्रेय सेक्टर के कंपोनेंट्स द्वारा मजबूत आय, भारत सरकार द्वारा पूंजी आवंटन में वृद्धि के साथ नीतिगत गति और हाल ही में सीमाओं पर भारत-पाकिस्तान टकराव में भारत की रक्षा क्षमता के वास्तविक उपयोग के मामले से आने वाले ट्रिगर को दे रहे हैं।

कौन बनाएगा खूंखार लड़ाकू विमान? पहली बार प्राइवेट कंपनियों को निर्माण का मौका, ये देसी कंपनियां रखती हैं दमखम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने डिफेंस सेक्टर में एक अहम फैसला लेते हुए प्राइवेट कंपनियों को भी फाइटर जेट के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया है। सरकार के फैसले से डिफेंस सेक्टर में सक्रिय कुछ प्राइवेट कंपनियों को बड़ा फायदा हो सकता है. इनमें बाबा कल्याणी ग्रुप की कंपनी भारत फोर्ज,टाटा एडवांस सिस्टम लिमिटेड, एल एंड टी और अदाणी ग्रुप की कंपनियां शामिल हैं. दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एडवांस मीडियम कॉम्बेट एयरक्रॉफ्ट प्रोग्राम के डेवलपमेंट से जुड़े फ्रेमवर्क को मंजूरी दे चुके हैं। खास बात है कि इसमें पहली बार प्राइवेट और सरकारी, दोनों क्षेत्रों की कंपनियों को 5.5 जनरेशन के फाइटर जेट प्रोटोटाइप की मैन्युफैक्चरिंग के लिए बिड प्रोसेस में भाग लेने के समान अवसर मिलेंगे. इससे पहले सिर्फ HAL यानि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, देश में फाइटर जेट का निर्माण करती आई है, जिसने तेजस जैसे हल्के लड़ाकू विमान को विकसित किया है.

भारत फोर्ज पहले से भारतीय सेना को ट्रक, आर्टिलरी टैंक समेत अन्य सैन्य उपकरण मुहैया कराती है. इसके अलावा, टाटा एडवांस सिस्टम और अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस भी मिलिट्री इक्यूपमेंट के निर्माण में सक्रिय हैं. वहीं, एल एंड टी ग्रुप भी आर्टिलरी गन और मिसाइल सिस्टम का निर्माण करता है. सरकार की ओर से फाइटर जेट निर्माण के प्रोग्राम में शामिल होने की मंजूरी मिलने से इन कंपनियों की सैन्य सामग्री की मांग देश के अलावा विदेशों में भी बढ़ सकती है।

भारत फोर्ज, प्राइवेट सेक्टर की एक अहम डिफेंस कंपनी है, जो भारतीय सेना और ग्लोबल आर्म्ड फोर्सेज की जरूरतों को पूरा करने के लिए सैन्य साजो-सामान बनाती है।

बचे हैं बस कुछ और घंटे, इस आईपीओ में निवेश के लिए आखिरी मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीला होटल का आईपीओ जब से आया है, तब से चर्चा में बना हुआ है। हालांकि ग्रे मार्केट में इस आईपीओ जीएमपी इतना आकर्षक नहीं रहा। दोपहर 3.18 बजे लीला होटल आईपीओ का जीएमपी 2 रुपये दर्ज किया है। इसका लिस्टिंग प्राइस 435 रुपये हो सकता है।

कितने लोगों ने किया आवेदन- द लीला आईपीओ के सब्सक्रिप्शन लेने के लिए बस कुछ घंटे ही बाकी है। इस इश्यू को रिटेल निवेशकों का अच्छा रिस्पांस नहीं मिला है। आज दोपहर 3.09 बजे तक रिटेल निवेशकों का हिस्सा सिर्फ 62 फीसदी ही भर पाया है। हालांकि, कुल मिला कर इश्यू तीन गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ है।

द लीला होटल आईपीओ की प्रिंसिपल कंपनी Schloss Bangalore है। इस कंपनी ने 26 मई को अपना पब्लिक ऑफर किया था, जो 28 मई को बंद हुआ था। इसका प्राइस बैंड 413 रुपये से लेकर 435 रुपये रहा है। वहीं इसका इश्यू प्राइस 435 रुपये हो सकता है।

रिटेल निवेशकों के लिए कितना आरक्षित- इस आईपीओ में 75% शेयर क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रखे गए हैं। इसमें भी 60त्न शेयर एंकर निवेशकों के लिए हैं। बाकी बचे 25त्न शेयरों में 15त्न नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर के लिए और 10त्न रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए हैं।

50% टूट सकता है यह बैंक शेयर, 1100 रुपये से अब 550 रुपये का टारगेट, दिग्गज ब्रोकरेज ने घटाई रेटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडसइंड बैंक का टारगेट प्राइस विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने घटाकर आधा कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने बुधवार को प्राइवेट बैंक के शेयरों को डाउनग्रेड किया है। इंडसइंड बैंक के शेयर बुधवार को BSE में 808.80 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने इंडसइंड बैंक की रेटिंग को डाउनग्रेड करके अंडरवेट कर दिया है। पहले, जेपी मॉर्गन ने बैंक के शेयरों को न्यूट्रल रेटिंग दी थी। विदेशी ब्रोकरेज हाउस ने इंडसइंड बैंक के शेयरों का प्राइस टारगेट 550 रुपये कर दिया है। जेपी मॉर्गन ने पहले बैंक के शेयरों के लिए

1100 रुपये का टारगेट दिया था।

विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन की तरफ से दिया गया रिवाइज्ड प्राइस टारगेट इशारा करता है कि प्राइवेट बैंक के शेयर मंगलवार के क्लोजिंग लेवल से 33 पर्सेंट टूट सकते हैं। ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने अपने नोट में लिखा है कि हाल में सामने आई घटनाओं के बाद भी इंडसइंड बैंक की बुक वैल्यू सुरक्षित है। बैंक के प्री-प्रोविजनिंग ऑपरेटिंग प्रॉफिट और इसके रिटर्न ऑन एसेट्स को रिबाउंड करने में लंबा वक्त लगेगा। इंडसइंड बैंक की प्रमोटर्स हिन्दुजा फैमिली लगातार यह कह रही है कि अगर जरूरत पड़ती है तो वह बैंक में पूंजी लगाने के लिए तैयार है। हालांकि, जेपी मॉर्गन का कहना है कि इनवेस्टर्स को ऐसी इवेंट स्टॉक में अपनी पोजिशंस घटाने के लिए कैटलिस्ट के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। यह बात सीएनबीसी-टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है।

विदेशी ब्रोकरेज हाउस जेपी मॉर्गन ने अपने नोट में कहा है, हमारा मानना है कि बैंक को प्रक्रियागत स्तर पर बड़े बदलाव की जरूरत है। नए सीईओ और मैनेजमेंट टीम के आने के बाद भी इसमें समय लगेगा। इंडसइंड बैंक को चौथी तिमाही में 2328 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। बैंक को करीब 20 साल में पहली बार घाटा हुआ है।

हर एक शेयर पर 535 डिविडेंड देने का ऐलान, बावजूद 1400 टूट गया शेयर

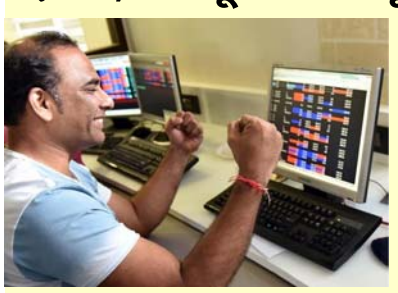

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका स्थित 3रूकंपनी की भारतीय कंपनी 3रूइंडिया लिमिटेड ने बुधवार, 28 मई को 160 प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड घोषित किया। अंतिम डिविडेंड के साथ कंपनी ने अभी 375 प्रति शेयर का स्पेशल डिविडेंड भी घोषित किया है, जिससे कुल भुगतान 535 प्रति शेयर हो गया है। 3एम इंडिया के बोर्ड ने डिविडेंड के भुगतान के लिए शेयरधारकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए रिकॉर्ड तिथि के रूप में 25 जुलाई, 2025 तय की है। यह डिविडेंड कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगा। बता दें कि आज कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान 1400 रुपये यानी 4त्न से अधिक टूटकर 28,760 रुपये पर आ गए थे। चौथी तिमाही में xMIndia का राजस्व पिछले साल की समान तिमाही से 9.50% बढ़कर 1,198.20 करोड़ हो गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

आंधी तूफान ने मचाई तबाही, जमींदोज हुई केले की फसल देख रो पड़े किसान

बुरहानपुर। मंगलवार शाम आए आंधी तूफान ने एक दर्जन से ज्यादा गांवों में जमकर तबाही मचाई है। खेतों में खड़ी केला फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है। बुधवार सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो तबाही का मंजर देख कर उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। खून पसीना बहा कर तैयार की गई लाखों की फसल बर्बाद हो चुकी है। फसलों को नुकसान की जानकारी मिलने के बाद विधायक अर्चना चिटनिस जहां एसडीएम पल्लवी पुराणिक व राजस्व अमले के साथ आधा दर्जन से ज्यादा गांवों में पहुंचीं, वहीं सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के प्रतिनिधि गजेंद्र पाटिल भी किसानों के साथ कई गांवों में फसल नुकसानी का जायजा लेने पहुंचे।इसके साथ ही कुछ गांवों में सर्वे दल ने भी पहुंच कर खराब हुई फसलों का आंकलन किया।

विधायक और सांसद प्रतिनिधि ने किसानों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में भाजपा सरकार उनके साथ है।

फसल नुकसानी का सर्वे करा जल्द ही उन्हें क्षतिपूर्ति राशि वितरित की जाएगी।

विधायक चिटनिस ने सर्वे दलों से कहा हैकि वे केले के पौधों की गणना करने की जगह नुकसानी का आंकलन प्रतिशत में करें।

2 मिनट में चोरी कर लेते थे बाइक... इनके पास मिलीं 15 गाड़ियां, कुछ जंगल में छिपा रखी थीं

भोपाल । निशातपुरा थाना पुलिस ने शहर में सिलसिलेवार दो पहिया वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। मूलत- विदिशा के रहने वाले शातिर युवक महज दो मिनट में बाइक चोरी कर चंपत हो जाते थे।

चोरी के वाहन या तो वह औने पौने दाम में बेच देते थे। या फिर गिरवी रख देते थे। उनकी निशानदेही पर चोरी गए 15 दोपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। इनमें से अधिकांश को उन्होंने विदिशा के जंगलों में छिपाकर रखा था।मुखबिर से मिली सूचना युवकों के खिलाफ भोपाल के अलावा विदिशा एवं राजगढ़ में भी कई मामले पहले से दर्ज हैं। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने बताया कि मुखबिर से पता चला था कि करोंद सब्जी मंडी में दो युवक बिना नंबर की बाइक लेकर घूम रहे हैं। बाइक चोरी की हो सकती है।

इस आधार पर पुलिस टीम ने हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की तो पता चला कि यह मोटरसाइकिल उन्होंने पिछले दिनों न्यू जेल रोड क्षेत्र से चोरी की थी। आरोपितों की पहचान शमशाबाद, विदिशा निवासी 23 वर्षीय शिवराज अहिरवार एवं त्योंदा, विदिशा निवासी 27 वर्षीय जाहिद खान के रूप में हुई।चोरी की 15 बाइक बरामद आरोपितों ने कुल 15 बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने शमशाबाद थाना क्षेत्र के जंगलों से छह और थाना त्योंदा क्षेत्र स्थित जाहिद के घर से आठ बाइक बरामद कीं। इनमें से शिवराज के खिलाफ 17 वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं।

जाहिद खान पर भी चोरी के नौ अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने जानकारी में बताया कि सीसीटीवी के फुटेज से आरोपितों का हुलिया मिल गया था। पुलिस लगभग तीन माह से इनकी तलाश में जुटी हुई थी।

केंद्र सरकार करवा रही विदेशी पेय पदार्थों की जांच, कई देशों के उत्पादों के सैंपल भेजे गए लैब

ग्वालियर। बाजारों में बिक रहे विदेश से आने वाले विभिन्न पेय पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर केंद्र सरकार सजग नजर आ रही है। सरकार की ओर से इन पेय पदार्थों, खासकर जूस की जांच पूरे देश में करवाई जा रही है। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से सभी राज्यों को निर्देश मिले हैं।

बता दें कि, ग्वालियर में आस्ट्रेलिया, मलेशिया, थाइलैंड सहित कई अन्य देशों के पेय पदार्थ बिकते हुए पाए गए हैं। केंद्र सरकार के निर्देशानुशार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विदेशी पेय पदार्थों के सैंपल लेना शुरू कर दिए हैं। इन पेय पदार्थों में मिलाए गए पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए सैंपल प्रयोगशाला में भेजे जा रहे हैं।भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (स्वस्थ्य) के निर्देश पर विदेशी पेय उत्पादों की जांच-पड़ताल की जा रही है। इसमें मॉल्स, शापिंग मार्ट व डिपार्टमेंटल स्टोर पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, क्योंकि इस तरह के विदेशी पेय पदार्थ छोटे दुकानदार या कारोबारी नहीं रखते।इनकी हो रही जांच

साथ ही इसमें ऐसी कंपनियों को भी चिह्नित किया जा रहा है जो विदेश में तैयार होने वाले पेय पदार्थ की यहां मार्केटिंग व ब्रांडिंग करती हैं। मूल रूप से यह उत्पाद विदेशी कंपनी का ही होता है। ऐसी विदेशी कंपनियां हर देश में फूड लाइसेंस लेकर काम करती हैं इसलिए इसकी भी जांच की जा रही है। पेय पदार्थों में फैट, सेचुरेटेड फैट, कोलेस्ट्रोल, डाइटरी फाइबर, शुगर की मात्रा आदि की जांच की जा रही है।

इस जांच के संबंध में जानकारी देते हुए ग्वालियर के फूड सेफ्टी आफिसर, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, राजेश गुप्ता ने बताया कि, विदेश से आने वाले पेय पदार्थों की सैंपलिंग की जा रही है। अभियान में प्रति फूड सेफ्टी अधिकारी पांच सैंपल का लक्ष्य रखा गया है। बाहरी पेय पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए वरिष्ठ स्तर से निर्देश मिले हैं।

भोपाल में लाइट जाने से लिफ्ट में फंसा बच्चा, उसे बचाने के लिए दौड़े पिता की हो गई मौत

भोपाल । मिसरोद के जाटखेड़ी में स्थित निरूपम रायल पाम कालोनी में मातम पसरा है। यहां एक पिता की अपने आठ वर्षीय बेटे को बचाने की कोशिश में जान चली गई। अचानक बिजली जाने से बेटा इमारत की लिफ्ट में फंस गया था। उसको बचाने की जल्दी में पिता दौड़ते हुए जनरेटर तक पहुंचे। उसे चालू करवाने के बाद वे कुछ ही दूर आए थे कि औंधे मुंह गिर पड़े, फिर उठे ही नहीं। बिजली आई, लिफ्ट का दरवाजा खुला।

बेटा सकुशल बाहर आ गया, तब तक पिता की सांस उखड़ चुकी थी। मिसरोद थाने के एएसआई आमोद शर्मा ने बताया कि निरूपम रायल पाम विला कालोनी के टावर नंबर एक के तीसरी मंजिल के फ्लैट नंबर 307 में ऋषीराज भटनागर (51) पत्नी और दो बेटों के साथ रहते थे। खाना खाकर नीचे टहल रहे थे

वे बीमा और प्रापर्टी डीलिंग का काम करते थे। पत्नी एक स्कूल में शिक्षिका हैं।

बिजली चोरी पकड़वाने पर अब कंपनी घर बैठे देगी 50 हजार रुपये तक का इनाम

जबलपुर । मध्य प्रदेश में बिजली चोरी करने वालों के बुरे दिन आने वाले है। जी हां, मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विद्युत मित्र एप लांच करने जा रही है। इस एप के जरिये आम लोग बिजली चोरी की सूचना दे सकते है और पुरस्कार स्वरूप उन्हें पचास हजार रुपये तक की धनराशि मिलेगी। गोपनीय रहेगी शिकायतकर्ता की पहचान

कंपनी ने यह भी दावा किया है कि जानकारी देने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। कंपनी ने बताया कि इनाम की राशि को लेकर शिकायतकर्ता को इधर-उधर भटकना नहीं होगा। कंपनी सीधे बैंक खाते में शिकायतकर्ता के

इनाम की राशि भेजेगी।

शिकायत झूठी निकली तो नंबर होगा ब्लॉक

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यदि शिकायत झूठी निकली तो शिकायतकर्ता को एप के जरिए दोबारा कभी शिकायत करने का अवसर नहीं मिलेगा।

साथ ही कंपनी के एप में संबंधित फर्जी शिकायतकर्ता का मोबाइल नंबर ब्लॉक हो जाएगा। जानकारी हो कि पूर्व क्षेत्र कंपनी के 22 जिलों में यह सेवा फिलहाल शुरू होगी।यह फैसला तब लिया गया है जब 30 प्रतिशत लाइन लास कंपनी को उठाना पड़ रहा है जिस वजह से आम उपभोक्ताओं पर भी बिल का बोझ आ रहा है।

शिकायत का अवलोकन भी अब होगा ऑनलाइन बताया गया कि शिकायत करने के बाद मामले की स्थिति का अवलोकन भी शिकायतकर्ता ऑनलाइन कर सकता है। शिकायत किस स्तर पर पहुंची है यह पता कर सकता है।अधीक्षण यंत्री संजय आरोरा ने बताया कि पहले बिजली चोरी की शिकायत के लिए दफ्तर में आकर जानकारी देनी होती थी। इनाम की राशि जुर्माना वसूली की प्रक्रिया के बाद मिलती थी। यह लंबी प्रक्रिया थी जिस वजह से इसमें प्रभावी रिस्पांस नहीं मिल पा रहा था।

ब्लेक स्पॉट्स को मिशन मोड पर लें और ट्राफिक इंजीनियरिंग से उसका परिशोधन करें :- संभागायुक्त श्री सिंह

इंदौर (ग्रामीण) जोन के अंतर्गत ब्लेक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन के संबंध में बैठक सम्पन्न

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर (ग्रामीण) जोन के अंतर्गत ब्लेक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने इंदौर (ग्रामीण) अंतर्गत 91 चिन्हित ब्लेक स्पॉट्स के विश्लेषण एवं परिशोधन की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में आईजी श्री अनुराग, डीआईजी श्री निमिष कुमार, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इंदौर के परियोजना निदेशक श्री सुमेश बांझल, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री सी.एस. खरत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इंदौर (ग्रामीण) जोन में सभी सड़कें फ्लायओवर, पुल-पुलिया आदि अच्छे बन रहे हैं। इससे सड़कों पर चलने वाले वाहन चालकों सहित नागरिकों को भी बेहतर सुविधाएं मिल रही है। इन सबके बावजूद इंदौर (ग्रामीण) जोन में सड़क हादसे हो रहे हैं। श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा कि वे ऐसी कार्ययोजना बनाएं जिससे ब्लेक स्पॉट्स की संख्या में कमी आएं। कार्ययोजना शार्ट टर्म और लॉग टर्म दोनों प्रकार की हो सकती है। जैसे कहीं पर रोड़ संकेतक, डिवायडर, बेरिकेट आदि भी लगा सकते हैं।

श्री सिंह ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, प्रशासन आदि विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें और एक निश्चित समयावधि में उसे पूरा करें। इस कार्य को मिशन मोड पर लें और प्राथमिकता के साथ उसे पूरा करें। अधिकारी ब्लेक स्पॉट्स पर जाकर देखें कि वहां पर किस तरह की ट्राफिक इंजीनियर की आवश्यकता है और उसे किस प्रकार दूर किया जा सकता है। सभी अधिकारी ब्लेक स्पॉट्स के परिशोधन की लगातार मॉनीटरिंग करें और उसकी हर माह समीक्षा भी करें। बैठक में श्री सिंह ने धार और खरगोन जिले के ऐसे ब्लेक स्पॉट्स पर सबसे अधिक चिंता व्यक्त की, जहां सड़क हादसे अधिक हो रहे है। गांव की जो रोड़ मुख्य मार्ग से मिलती है या कहीं घुमावदार मार्ग है, ऐसी जगह पर भी हादसे हो रहे है।

महिला सशक्तिकरण की मिसाल, आत्मनिर्भर मंजुला मकासरे

इंदौर। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की नगरी इंदौर में महिलाएं उनकी ही तरह आत्मनिर्भर, संघर्षों को हराने वाली व कर्मठ हैं। सफलता की कहानी में इंदौर की एक ऐसी ही महिला की कहानी है जो अपने परिवार के सपनों को पंख देने के लिए कड़ी मेहनत कर दिनभर रिक्शा चलाती हैं।

रिक्शा चलाने की शुरुआत- मंजुला मकासरे जो कि एक सामान्य परिवार से आती है अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए रिक्शा चलाने का फैसला लिया। उनसे बात करके पता चला कि वे पिछले 4 सालों से रिक्शा चलाकर अपने पति के साथ परिवार चलाने में हाथ बताती है। उनका कहना है कि परिवार में 4 लोग है जिनमें दो बच्चे है उनके उज्ज्वल भविष्य,अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए वह यह कार्य कर रही है। वह दिन के 8-10 घंटे रिक्शा चलाती हैं तथा घर खर्च में मदद करती है।

कार्य हेतु चुनौतियां- मंजुला मकासरे ने बताया कि किसी भी कार्य की पहल करने से पूर्व ही कई चुनौतियां आ जाती है। खासतौर पर महिलाओं द्वारा घर से बाहर निकल कर काम करना चुनौतीपूर्ण होता है। कई परिवार ऐसे होते है जो महिलाओं को बाहर काम करने से रोकते है।

राजपूत समाजः 30 संगठनों के पदाधिकारी सम्मानित

इंदौर। सर्व राजपूत धार्मिक एवं पारमर्थिक ट्रस्ट के द्वारा अनूकरणीय पहल करते हुए समाज के 30 से ज्यादा संगठनों के पदाधिकारियों का उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साथ ही समाज के अलग अलग प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। सर्व राजपूत समाज धार्मिक एवं पारमर्थिक ट्रस्ट कि समाज को एकजुट रखने के लिए हर संस्था अपने स्तर पर रचनातमक गतिविधियां चला रही है। इसलिए पदाधिकारियों का मनोबल बना रहे ओर वे और ज्यादा अच्छा बेहतर काम करें। इसलिए ये सम्मान समारोह आयोजित किया गया। स्वर्गीय श्रीमति साधना सिंह की स्मृति में हुए इस आयोजन में म्यूजिकल ग्रुप हम साथ-साथ है, महाराणा प्रताप युथ ब्रिगेड के द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सुरेश सिंह भदौरिया, संतोष सिंह बैस,विजय सिंह परिहार, शीतल सिंह राजपूत,किशोर सिंह पवार, कमलेश्वर सिंह सिसौदिया, मोहन सेंगर, श्रीमति सुहानी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन को मंजूरी

वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025 भाग-1 का अनुमोदन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025, भाग-1 का अनुमोदन किया गया है। वित्त विभाग को लिपिकीय त्रुटियों को सुधारने और भावी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधन करने की अनुमति दी गई है। साथ ही, हिन्दी अनुवाद जारी करने की भी अनुमति दी गई है। अनुमोदित वित्तीय अधिकार 1 जुलाई, 2025 से लागू होंगे।

वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2012, भाग-1 में संशोधन के प्रमुख कारणों में 13 वर्ष से अधिक की अवधि में विभिन्न मदों के मूल्यों/लागतों में वृद्धि, कार्यालय संचालन से संबंधित कतिपय नवीन स्वरूपों के व्यय भी प्रचलन में आये हैं। अप्रासंगिक हो गई मदों का विलोपन, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नवीन मदों को सम्मिलित किया जाना, अप्रासंगिक हो चुके कार्यालयीन उपकरण / सामग्री का विलोपन, अधिकारों का विकेंद्रीकरण के क्रियान्वयन में गति प्रदान करने के लिए, बजट प्रावधान का समयसीमा में उपयोग शामिल हैं।

सुगम्य भारत अभियान का प्रशिक्षण सम्पन्न

इंदौर। सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों को सार्वजनिक भवनों में बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के अधिकारी-कर्मचारियों को एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

देवी अहिल्या बाई होलकर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट इंदौर के अधिकारियों, कर्मचारियों व एयर लाइन्स स्टॉफ को सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिये बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का शुभारंभ एयरपोर्ट डायरेक्टर श्री वी. के. सेठ ने किया। प्रथम सत्र में श्री पवन चौहान, श्री नितिंद्र बड़जात्या, डॉ. डॉली जोशी व अन्तराष्ट्रीय पैरा ओलम्पिक एथलीट पूजा गर्ग ने प्रशिक्षण दिया। दूसरे सत्र में बधिरता से सम्बन्धित दिव्यांगजनों को आने वाली समस्याओं और उसके निदान पर प्रकाश डाला गया। बौद्धिक दिव्यांगजनों को एयरपोर्ट पर आने वाली कठिनाई और उसे किस तरह से दूर किया जाना चाहिए कि जानकारी दी गई।

मल्हारगंज तहसील भवन 1 साल से उद्घाटन के इंतेजार में

इंदौर। सुपर कारीडोर के समीप भवरासला में मल्हारगंज तहसील भवन बनकर लंबे समय से तैयार है, इसके उद्घाटन में लेटलटिफि होने से यहां के ग्रामीणों में रोश है कलेक्टर कार्यालय में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की जा रही है कि नए भवन में तहसील कार्यालय शुरू किया जाए।

मल्हारगंज तहसील में छोटा व बड़ा बगडदा, कुमेडी सहित तकरीबन 20 गांव शामिल है। किसानों का कहना है कि मल्हारगंज तहसील मुख्यालय का नया भवन साल भर से बनकर तैयार इसके बाद भी यहां कार्य नहीं शुरू हुआ है । किसानों को कलेक्टर कार्यालय की लंबी दूरी तय करना पड़ रही है। कल20 गांवों के किसान कल कलेक्टर कार्यालय पर इकट्ठा होकर देंगे ज्ञापन दिया। किसानों ने दी चेतावनी आवेदन निवेदन करेंगे किसान कमल सिंह डाबी ने बताया कि मल्हारगंज तहसील से जुड़े हुए गांव के लिए विडंबना है कि तहसील की घोषणा हुए कई साल गुजर गए, साल भर से भवन तैयार है उद्घाटन के इंतजार में हैं, इसके बाद भी 20 गांव के निवासियों को अपने काम के लिए कई किलोमीटर का चक्कर लगाकर कलेक्टर कार्यालय जाना पड़ता है इससे किसानों को समय के साथ पैसे की भी बर्बादी होती हैकिसान वीरेंद्र सिंह चावड़ा एवं बड़ा बांगड़दा के संतोष सुनेर कहते हैं कि मल्हारगंज तहसील कार्यालय का भवन साल भर से बनकर तैयार हो गया है। इसके बाद भी इसका शुभारंभ नहीं किया गया है इसके कारण ग्रामीण परेशान हो रहे हैं इन्हीं सब बातों को लेकर मंगलवार को दोपहर में मल्हारगंज तहसील से जुड़े हुए गांव बड़ा बांगड़दा पलाखेड़ी लिंबोदा गारी बरदारी भंवरासा रेवती बरदारी नैनोद कुमेडी भानगढ़ आदि गांव के किसान कलेक्टर कार्यालय पर ज्ञापन दिया।

लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर 31 मई को भोपाल में होगा महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर में मेट्रो ट्रेन, सतना एवं दतिया के नए एयरपोर्टस का होगा वर्चुअल लोकार्पण

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक वंदे मातरम गायन के साथ आरंभ हुई। मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं मंत्रीमण्डल के सभी सदस्यों ने लोकमाता देवी अहिल्या माता की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर बैठक का शुभारंभ किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने लोकमाता अहिल्याबाई अमर रहे% का जय घोष किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं सभी मंत्रीगण ने लेखिका सुश्री श्री साधना बलवटे द्वारा लिखित

अहिल्या रुपेण संस्थिता शीर्षक से नाट्य पुस्तिका का विमोचन भी किया। यह नाट्य पुस्तिका देवी अहिल्या बाई के जीवन की प्रमुख घटनाओं पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने लेखिका को बधाई दी और कहा कि आपने लोकमाता को सच्ची श्रद्धांजलि दी है।

मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशव्यासी अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में 26 से 31 मई तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शहर की स्वच्छता हेतु निगम द्वारा 70 लाख से नवीन सीवर मशीन शामिल की गई

98 लाख की लागत की 2 नवीन जेसीबी तथा 3 करोड की लागत की 3 नवीन रोड़ स्वीपिंग मशीनों का भी आज हमारे द्वारा लोकार्पण किया गया

उज्जैन। नगर निगम के संसाधनों में राशि रुपए 04.68 करोड़ की लागत से शामिल हुए 06 नए वाहनों का लोकार्पण महापौर मुकेश टटवाल एवं निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, एमआईसी सदस्य श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, शिवेन्द्र तिवारी, जितेन्द्र कुंवाल, झोन अध्यक्ष सुरेन्द्र मेहर, संग्राम सिंह भाटिया एवं प्रभारी आयुक्त पवन कुमार सिंह की उपस्थिति में फीता काट कर पुजन अर्चन कर किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा कहा गया कि आज हमारे द्वारा आज 4.68 करोड़ की लागत के 6 नवीन वाहनों का लोकार्पण किया गया है। आपने कहा कि आपको ज्ञात होगा कि विगत वर्ष मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा अपने शहर की सुक्ष्म से सुक्ष्म समस्या का ध्यान रखते हुए शहर के चेम्बरों की सफाई हेतु भोपाल से सीवर मशीन कर्मचारियों सहित पहुंचाई थी अब निगम द्वारा 70 लाख से नवीन सीवर मशीन अपने संसाधनों में शामिल की गई है जिससे शहर के बड़े चेम्बरों की सफाई की जा सकेगी। साथ ही 98 लाख की लागत की 2 नवीन जेसीबी तथा 3 करोड की लागत की 3 नवीन रोड़ स्वीपिंग मशीनों का भी आज हमारे द्वारा लोकार्पण किया गया।

महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि आज निगम के संसाधनों में 6 नवीन वाहन सम्मिलित हुए है जिनका उपयोग शहर की सफाई व्यवस्था में किया जाएगा। मा. मुख्यमंत्री जी की मंशानुरूप शहर में निरंतर विकास कार्य हो रहे इसी क्रम आज हमारे द्वारा 4.68 करोड़ की 6 नवीन वाहनों का लोकार्पण किया गया।

उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम एवं स्वच्छ भारत अभियान अन्तर्गत 3 करोड़ की लागत से तीन मैकेनिक रोड स्वीपिंग मशीन 5 क्यूबिक मीटर, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम अन्तर्गत 70 लाख की लागत से सीवर सक्शन कम जेटिंग मशीन तथा निगम मद से 98 लाख की लागत से बैक हो लोडर विथ राक ब्रेकर मशीन खरीदी गई है।

छात्रों को हाइजेनिक फूड के लिए विक्रम विश्वविद्यालय को चार खाद्य एवं छः ब्रेड, चावल कंटेनर

उज्जैन। पंजाब नेशनल बैंक टावर चौक ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत विक्रम विश्वविद्यालय में एक सराहनीय गतिविधि के तहत छात्रों को हाइजेनिक भोजन हेतु चार खाद्य एवं छः ब्रेड/ चावल कंटेनर भेट किए।

प्रबंधक अमर सिंह अन्नू ने बताया कि मंडल प्रमुख युवराज सिंह राठौर के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वित्त प्रमुख जे.एस. तोमर, रजिस्ट्रार डॉ. अनिल शर्मा और वाईस चांसलर डॉ. अर्पण भारद्वाज ने छात्रों के लिए स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन तैयार करने में सहायक इन उपकरणों के लिए बैंक का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि बैंक का यह सहयोग सामाजिक कल्याण की एक सराहनीय पहल है। इससे भोजन की गुणवत्ता में सुधार होगा और छात्रों को बेहतर पोषण युक्त आहार मिलेगा। पीएनबी का यह सहयोग सामाजिक दायित्व निर्वहन, छात्रों के कल्याण और आगामी पीढ़ी को सशक्त बनाने के बैंक के मिशन में सराहनीय कदम है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्रबंधक पीयूष शुक्ला ने किया व आभार आनंद श्रीवास्तव ने माना।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पाण्डे पर की गई टिप्पणी के लिये देशवासियों से क्षमा याचना करें स्वामी गोविन्द देव - डॉ. ठाकुर

उज्जैन। आस्था हरि सुमिरन आध्यात्मिक संस्था के इतिहासविद् डॉ. राजेश ठाकुर निर्झर ने बताया कि रामभक्त हनुमान की कथा के विषय से भटककर गोविन्द देवगिरीजी ने व्यास पीठ से इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से वर्णित प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायक मंगल पाण्डे की क्रांति को सही नहीं मानने वाला बयान निसंदेह क्रांतिकारियों, देश भक्तों व देशवासियों की भावनाओं पर सीधी-सीधी कुठाराघात करने वाली टिप्पणी है। इतिहास हमें बताता है कि प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की मंगल पाण्डे वो चिंगारी थी जिसने आगे चलकर 1947 में अंग्रेजों के विरुद्ध ज्वालामुखी का रूप धारण किया। आपने आगे बताया कि स्वामी गोविन्द देव को चाहिए कि इस प्रकार की टिप्पणियों के पूर्व इतिहास का समुचित अध्ययन कर लें।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में 15 भाई बहनों ने ली गुरु दीक्षा

उज्जैन। नेवरी में मातृशक्ति द्वारा पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ आयोजित किया गया। जिसमें करीब 200 ग्रामवासी एवं गायत्री परिजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम संयोजिका आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी उप झोन समन्वयक उर्मिला तोमर ने बताया कि जिला समन्वयक हरिराम जिराती एवं महेश आचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। 15 भाई बहनों द्वारा गुरु दीक्षा ग्रहण कर समय दान अंशदान का संकल्प लिया गया। 11 गर्भवती बहनों के पुंसवन संस्कार कर गोद भराई की गई। कार्यक्रम की सूत्रधार सुनीता शर्मा एवं आयोजनकर्ता शकुंतला रावल की टीम अनीता प्रजापति, मनोरमा सिसोदिया के सराहनीय प्रयास से ग्राम नेवरी में प्रथम बार सामूहिक आयोजन हुआ। विशेष रूप से ग्राम की प्रथम नागरिक सरपंच प्रीति प्रदीप रावल के साथ ही हाट पिपलिया शक्तिपीठ से वरिष्ठ परिजन मनोहर गुरु, गिरीश गुरु, रवि गुरु सिरोलिया शक्तिपीठ से महेश पटेल, सालिराम नागर, आशा शुक्ला, देवास जिला समन्वयक हरिराम जिराती उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में देशहित के लिए प्रस्ताव पास किए

उज्जैन। रामसखा गौतम सभागृह में 28 मई 2025 की दोपहर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्ताव पास किया गया की आर्थिक आधारों के आरक्षण की मांग को लेकर पूर्व में तीन बार रथ यात्रा निकाली गई,इस लड़ाई को आगे भी निरंतर जारी रखा जायेगा तथा समाज के महापुरुषों के इतिहास का संरक्षण किया जाएगा एवं समाज के विभिन्न संगठन को एक करने का प्रयास किया जाएगा, अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी रचनात्मक प्रयास किए जाएंगे ।

महाराष्ट्र समाज ने मनाई स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जयंती

युवा पीढी को वीर सावरकरजी के जीवन चरित्र से प्रेरणा प्राप्त करने का आह्वान

उज्जैन। प्रखर क्रांतिकारी एवं विचारक स्वातंत्र्य वीर सावरकर की जयंती पर महाराष्ट्र समाज उज्जैन द्वारा मुनिनगर दो तालाब स्थित सावरकरजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए हर्षवर्धन सिंह कुशवाह जिलाध्यक्ष भा.ज.यु.मो. ने वर्तमान की युवा पीढी को वीर सावरकरजी के जीवन चरित्र से एवं उनके बलिदान से प्रेरणा प्राप्त करने का आह्वान किया। प्रदीप जोग के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में गोविंद गंधे निदेशक कालिदास अकादमी, विजय केवलिया, पार्षद आभा कुशवाह, समाज अध्यक्ष पंकज चांदोरकर, पूर्व अध्यक्ष अशोक गुलजकर, राजश्री जोशी, डॉ हरिसिंह कुशवाह, सदाशिव नायगावकर, जितेंद्र आपटे, सुशील मुले, रवींद्र मूले, मिलिंद पन्हालकर, संजय दिवटे, मनोज कार्लेकर, रमेश खरे, चिपलूनकरजी, व्यासजी, अष्टीकरजी, करंदीकर जी, तुषार, आलोक, शिंदेजी, जय प्रताप सिंह, परिहारजी, पांडे जी, कर्पे ताई, साठे ताई, सुचित्रा ताई सहित बड़ी संख्या में समाजजनों ने वीर सावरकरजी का श्रद्धापूर्वक स्मरण एवं नमन किया।

श्री मायापति हनुमान मंदिर में मना दो दिवसीय श्री शनि देव जन्म उत्सव

श्री हनुमानजी महाराज का किया श्रंगार, श्री शनिदेव का हुआ महा रुद्रभिषेक

उज्जैन। श्री शनि देव जन्म उत्सव के पावन अवसर पर श्री मायापति हनुमान मंदिर परिवार सदस्यों द्वारा दो दिवसीय आयोजन किया गया।

मंदिर पुजारी गणेश राय ने बताया कि प्रथम दिन श्री हनुमानजी महाराज का अभिषेक, श्रंगार किया गया। साथ में अखंड रामायण पाठ एवं श्री शनि देव जन्मोत्सव की पावन अवसर पर श्री शनिदेव का महा रूद्रभिषेक, हवन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। साथ में सुंदरकांड के पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। भंडारे में हजारों भक्तों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस धर्म कार्य में मंदिर परिवार के अशोक चौधरी, रमेशचंद्र राय, शरद दुबे, अस्सु तिलक, यश राय, अंकित शर्मा, प्रदीप राय, त्रिलोक यादव, सौरभ अग्रवाल, सत्यप्रकाश पंचोली, गोलू राय एवं सभी भक्तों का विशेष सहयोग रहा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com